

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से युवा और राष्ट्र निर्माण



“शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं।”
-नेल्सन मंडेला

वर्तमान मैकाले शिक्षा प्रणाली बनाम गुरुकुल शिक्षा प्रणाली

संयुक्त राज्य अमेरिका के विश्वविद्यालयों में से एक ने अपनी सफलता के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सफल व्यक्तियों के बीच एक सर्वेक्षण किया। यह जानकर आश्चर्य हुआ कि, उन्होंने अकादमिक रूप से जो कुछ भी हासिल किया है (डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, कला, वाणिज्य, विज्ञान स्नातक, चार्टर्ड एकाउंटेंट, एमबीए या कोई अन्य डिग्री ...) ने उनकी सफलता में सिर्फ 13% का योगदान दिया और शेष बड़ी संख्या 87% क्या है?? इसका उत्तर है “जीवन प्रबंधन” और कोई भी हमें यह नहीं सिखाता न घर पर और न ही स्कूल में की कैसे इसे प्रबंधित किया जाए। नई शिक्षा नीति हमारे जीवन के दोनों पहलुओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

“जीवन प्रबंधन” क्या है ?

इसका अर्थ है विभिन्न परिस्थितियों में खुद को प्रबंधित करना जिसमें जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन और तनावपूर्ण स्थितियों, क्रोध और भय प्रबंधन, नैतिक साधनों द्वारा भौतिक और आध्यात्मिक विकास, नेतृत्व गुण, धर्म और अधर्म के बीच भेदभाव, समाज और देश के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी शामिल है और पर्यावरण का पोषण। दुर्भाग्य से, हम में से अधिकांश को समाज के किसी भी अंग द्वारा कभी भी सही तरीके से यह नहीं पढ़ाया गया है।

अधिकांश माता-पिता, स्कूलों का माध्यम परीक्षा में अच्छे ग्रेड / अंक प्राप्त करने और किसी भी प्रकार की डिग्री प्राप्त करने के लिए शिक्षा समाप्त करने पर होता है। हमने जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को कभी महत्व नहीं दिया जैसे कि मन का प्रबंधन, चरित्र निर्माण, सकारात्मक दृष्टिकोण का निर्माण, सभी स्थितियों में समता बनाए रखना, समाज और देश के प्रति सही सोच और कार्य। रचनात्मकता, अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से बुद्धि को तेज और विकसित करना। आध्यात्मिक तकनीकों के माध्यम से अहंकार को समझना और याददाश्त में सुधार करना। तो क्या होता है, समाज में बहुत से लोगों के लिए सफलता को लंबे समय तक प्रभावी तरीके से संभालना मुश्किल हो जाता है, साथ ही, असफलताओं को संभालना और भी मुश्किल हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप मानसिक समस्याएं

होती हैं, जो आत्मविश्वास को बुरी तरह प्रभावित करती हैं, मुख्य रूप से हमारे युवा आशा खो देते हैं ।

मन प्रबंधन एक जटिल विषय है, जब हम सफलता का सामना करते हैं, तो यह हमारे अहंकार को बढ़ाता है, हमें जमीनी और सूक्ष्म वास्तविकता से दूर ले जाता है, हमारे प्रियजनों के साथ हमारे संबंधों को प्रभावित करता है। हम सभी ने अनुभव किया है कि “सफलता आलोचना के समानुपाती होती है”, आप जितने अधिक सफल होते हैं, उतनी ही आपकी आलोचना की जाती है। समाज में बहुत से लोग आपको नीचा दिखाएंगे, आपका अपमान करेंगे, आपके चरित्र पर कीचड़ उछालेंगे और इसी तरह ... यदि मन कमजोर है तो अधिक समय तक सफलता बनाए रखना मुश्किल है। तो रचनात्मक और विनाशकारी आलोचना को कैसे संभालें ??

माइंड मैनेजमेंट इतना महत्वपूर्ण क्यों है ?

यह आपकी मन की स्थिति (कमजोर या मजबूत) कार्यवाही के पाठ्यक्रम को तय करती है, एक कमजोर दिमाग कभी भी आपकी ऊर्जा को उच्च उद्देश्यपूर्ण लक्ष्यों के लिए नहीं लगाएगा, और मजबूत दिमाग हमेशा उच्च लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए कठिन परिस्थितियों में खुशी के साथ विभिन्न अवसरों की तलाश करेगा।

बचपन से ही हमारे दिमाग को इस तरह से प्रोग्राम किया जाता है कि चुनौतियाँ, कठिनाइयाँ, समस्याएँ अच्छी नहीं होती, इन स्थितियों से दूर रहें और हमारे मन में यह गलत धारणा पैदा हो जाती है कि केवल अकादमिक अध्ययन ही आपको इन स्थितियों से दूर रख सकता है इसलिए मन लगाकर अध्ययन करें। मैं आपको स्पष्ट कर दूँ कि पहले शिक्षा/अध्ययन बहुत महत्वपूर्ण है, इसे अनदेखा न करें लेकिन यह जीवन में कठिनाइयों, उतार-चढ़ाव को रोक देगा हमारे युवाओं के साथ एक बड़ा मजाक है।

उन्हें समझाएं कि जीवन अच्छे और बुरे, सही और गलत, सुख और दुख, सकारात्मक और नकारात्मक, नायक और खलनायक, सफलता और असफलता, अवसरों और कठिनाइयों, शांति और अशांति का मिश्रण है, सब कुछ मानार्थ है। समस्या यह है कि हम हमेशा सूक्ष्म मन में यह सुनिश्चित करते हैं कि जीवन का एक हिस्सा जिसका हम सामना करते हैं वह अच्छा है और दूसरा हिस्सा बुरा है और इससे बचा जा सकता है। हम उस हिस्से से कैसे बच सकते हैं जो आंतरिक क्षमता को बाहर लाता है जो हमें विरासत में मिला है लेकिन कभी एहसास नहीं हुआ, जो हमें मजबूत, अनुभवी बनाता है, हमें रचनात्मक, अभिनव बनाता है, दिखाता है कि हमारा जीवन कितना महत्वपूर्ण है और हमारे प्रबंधन कौशल में सुधार करता है ? आप इस बात से सहमत होंगे कि जीवन में कठिनाइयों का सामना करने के बाद ही हम जीवन जीना सीखते हैं।

गुरुकुल प्रणाली :

यह वैदिक युग के दौरान अधिक व्यापक था जहां छात्रों को विभिन्न विषयों और एक सुसंस्कृत और अनुशासित जीवन जीने के तरीके के बारे में पढ़ाया जाता था।

वर्तमान समय में गुरुकुल प्रणाली का महत्व :-

गुरुकुलों का ध्यान छात्रों को एक प्राकृतिक परिवेश में शिक्षा प्रदान करने पर था जहाँ शिष्य एक-दूसरे के साथ सद्भावना, मानवता, प्रेम और अनुशासन के साथ रहते थे। समूह चर्चा, स्व-शिक्षा आदि के

माध्यम से भाषा, विज्ञान, गणित जैसे विषयों में महत्वपूर्ण शिक्षाएँ थीं। इतना ही नहीं, बल्कि कला, खेल, शिल्प, गायन, विभिन्न तकनीकी और प्रबंधकीय कौशल के माध्यम से समग्र व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान दिया गया था। नेतृत्व गुण, कई अन्य कौशल जिन्होंने उनकी बुद्धिमत्ता और आलोचनात्मक सोच को विकसित किया। योग, ध्यान, मंत्र जाप आदि गतिविधियों ने सकारात्मकता और मन की शांति उत्पन्न की और उन्हें शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से फिट बनाया। उनमें व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से दैनिक जिम्मेदारियों को स्वयं करना भी अनिवार्य था। इन सभी ने व्यक्तित्व विकास में मदद की और उनके आत्मविश्वास, अनुशासन की भावना, बुद्धि और दिमागीपन को बढ़ाया जो आज भी आगे आने वाले पारिस्थितिक क्षेत्र का सामना करने के लिए जरूरी है।

“सफलता कभी अंतिम नहीं होती और असफलता कभी घातक नहीं होती। यह साहस है जो मायने रखता है।” गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के विषयों में से एक था।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति :

एनईपी 2020 मूल रूप से प्रत्येक छात्र के समग्र व्यक्तित्व को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यदि सभी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों द्वारा इसे स्पष्ट रूप से लागू किया जाता है, तो यह निश्चित रूप से आने वाली पीढ़ियों का विकास करेगा जैसा कि सभी को उम्मीद है। विश्वासपात्र, ऊर्जावान, हर्षित, प्रतिबद्ध, अनुसंधान और नवाचार उन्मुख, बहु-प्रतिभाशाली युवा हमारे महान राष्ट्र का गौरव वापस लाएंगे। हम न केवल आर्थिक रूप से बल्कि खेल, नवाचार, अंतरिक्ष अनुसंधान, सामाजिक स्वास्थ्य, रक्षा, विभिन्न आयामों पर दुनिया को शिक्षित करने, पर्यावरण संरक्षण जैसे कई अन्य क्षेत्रों में भी उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन एक राष्ट्रीय मिशन और हमारे देश के प्रत्येक नागरिक की प्राथमिकता होनी चाहिए। सरकार और सरकारी प्राधिकरण, प्रबंधन टीम, शिक्षक, माता-पिता, छात्र और समाज के हर वर्ग को हाथ मिलाना चाहिए और हमारी आने वाली पीढ़ियों और हमारे महान राष्ट्र के भविष्य को पुनर्जीवित करने के लिए इसे लागू करने की दिशा में सुसंगत रूप से काम करना चाहिए।

एनईपी को राजनीतिक दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए कि अगर गुणवत्ता के साथ समय पर लागू किया गया तो किसे फायदा होगा, यह हमारी लाखों युवाओं और आने वाली पीढ़ीया है जो इसका लाभ उठाएगी।

(लेखक विभिन्न राष्ट्रीय व सामाजिक विषयों पर लिखते हैं व इनकी कई विषयों पर पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी है)

संपर्क

7875212161